

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



**मं**० 54]

नई जिल्ली, प्रतिकार फरवरी 19, 1977/मध 30, 1898

No. 54]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1977/MAGHA 30, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY

## (Department of Industrial Development) NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February 1977

G.S.R. 77(E).—In pursuance of Section-7 of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956), the Central Government hereby notifies that Shri Jagpat Dubey has resigned his membership of the Khadi and Village Industries Commission with effect from the afternoon of the 12th February, 1977, and in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2 of Section 4 of the said Act, the Central Government hereby directs that in the notification of the Government of India, Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) Notification No G.S.R. 271(E) dated the 31st March 1976, reference to the appointment of Shri Jagpat Dubey as member of the said Commission shall be emitted

[No F.6(4)/76-KVI(I)] MOHD FAZAL Sect

उद्योग मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1977

सा० का० नि० 77 (श्र).—खादी और ग्रामोद्योग श्रायोग श्रिधितयम, 1956 (1956 का 61) की धारा 7 के श्रनुसरण में बेन्द्रीय सरकार ग्रिधिमृचित करती है कि श्री जगपत दुवें ने

12 फरवरी, 1977 के अपरान्ह से खादी और ग्रामोद्योग आयोग की अपनी सदस्यता से त्यागपत्त है दिया है और उक्त अधिनियम की धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार, उद्योग और नागरिक पूर्ति मज्ञालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या सा० का० नि०२७१ (ई) दिनाक 31 मार्च, 1976 में से उक्त धायोग के सदस्य के रूप में श्री जगपत दुबे की नियृत्ति के सदर्भ को लुप्त कर विया जाएगा।

[सं० फा०6(4) / 76 -- के० बी० माई० (I)] मोहम्मद फजल, सचित्र।